**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Need to restart bullock cart race in Shirur Parliamentary Constituency, Maharashtra.

**DR. AMOL RAMSING KOLHE (SHIRUR):** Hon. Speaker, Sir, thank you for allowing me to raise a matter of public importance. Through you, I would like to draw the attention of this House towards an important issue relating to the farmers from rural Maharashtra, not only from my constituency but also from districts like Pune, Satara and Sangli. The issue is regarding the bullock cart race. This is an age-old tradition which dates back to more than 400 years. These races were being held during festive seasons and summer season and thousands of people used to gather to witness this thrill and this tradition. But because of some NGOs moving the court stating cruelty on animals there has been a ban on these races. लेकिन, मैं सदन का ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहता हूं कि जो किसान इन बैलों को पालते हैं, वे उनको अपने बच्चों से भी ज्यादा लगाव से पालते हैं । जिन बैलों का इसमें इस्तेमाल होता है, वे खिलार प्रजाति के बैल होते हैं । महाराष्ट्र के जो सूखा प्रभावित क्षेत्र हैं, वहां पर खिलार प्रजाति के बैलों की पैदाइश होती है । खिलाड़ जाति की गायों में दूध की मात्रा कम होती है, इसलिए मुख्य मुद्दा इन रेसिंग बैलों की उपज का है । लेकिन रेसिंग पर बैन होने की वजह से इन बैलों को बड़ी तादाद में स्लॉटर हाउसेज में भेजा जा रहा है । यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है । मेरा कहना है कि यह एक बहुत बड़ा ग्रामीण इकोनोमी को बूस्ट करने वाला मुद्दा हो सकता है, जिसमें हजारों लोगों को रोजगार मिल सकता है । इसलिए इस सदन से मेरी दरख्वास्त है कि the concerned authority should have a look into this matter and should restart these bullock races as they did for *Jallikattu* and preserve this tradition.